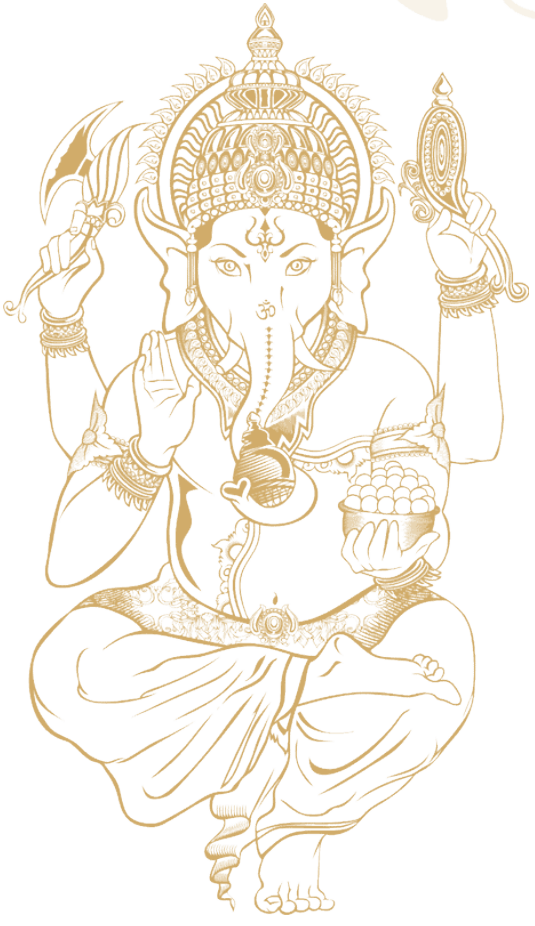

Raju kumar singh

25 Sep 1990

04:31 AM

Dubrajpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121732703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/09/1990**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:31:00 घंटे**
इष्ट	57:33:20 घटी
स्थान	**Dubrajpur**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	23:46:00 उत्तर
रेखांश	87:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:19:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:50:36 घंटे
वेलान्तर	00:07:48 घंटे
साम्पातिक काल	05:04:39 घंटे
सूर्योदय	05:29:39 घंटे
सूर्यास्त	17:35:06 घंटे
दिनमान	12:05:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:54:17 कन्या
लग्न के अंश	23:37:31 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:37:31	328:57:12	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कन्या	07:54:17	00:58:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	14:44:30	11:50:23	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल			वृष	16:26:19	00:18:58	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			सिंह	20:06:52	01:05:02	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	13:34:35	00:10:12	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	28:06:39	01:14:40	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			धनु	24:58:31	00:00:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु	व		मक	11:45:47	00:03:48	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	11:45:47	00:03:48	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	11:54:48	00:00:31	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:04:00	00:00:02	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
प्लूटो			तुला	22:14:46	00:01:52	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			वृष	23:32:11	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:53

लग्न-चलित

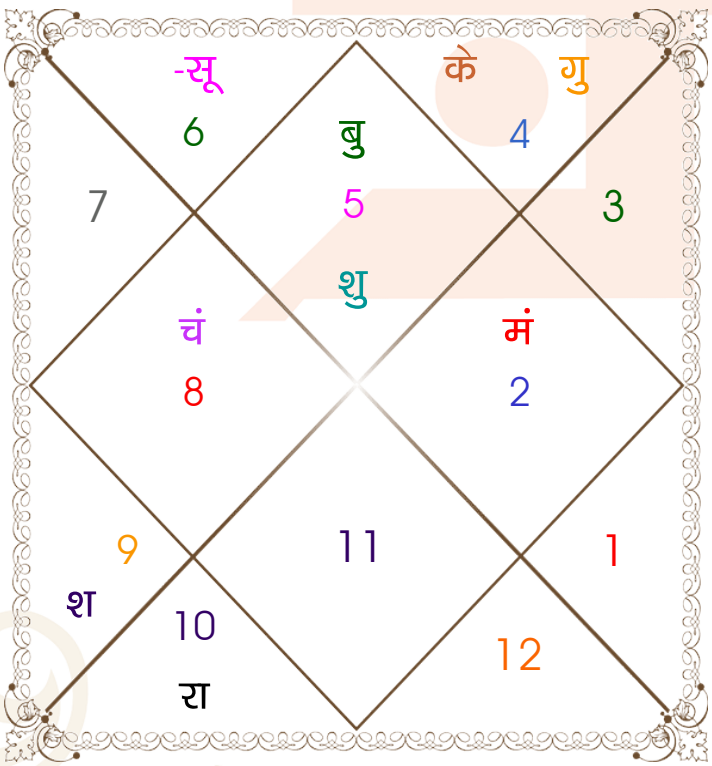

चन्द्र कुंडली

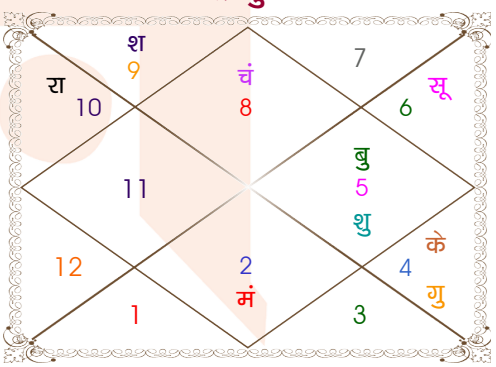

नवमांश कुंडली

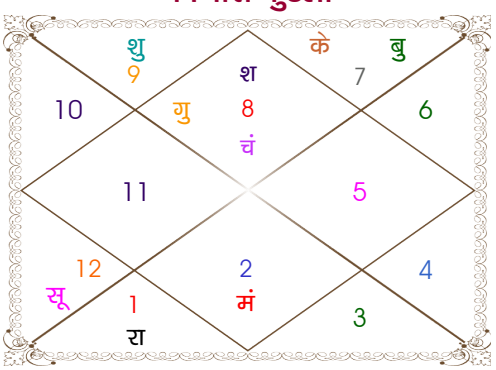

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 8 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/09/1990		23/06/1993		23/06/2010		23/06/2017		23/06/2037	
23/06/1993		23/06/2010		23/06/2017		23/06/2037		23/06/2043	
	00/00/0000	बुध	19/11/1995	केतु	19/11/2010	शुक्र	22/10/2020	सूर्य	10/10/2037
	00/00/0000	केतु	15/11/1996	शुक्र	19/01/2012	सूर्य	22/10/2021	चंद्र	11/04/2038
	00/00/0000	शुक्र	16/09/1999	सूर्य	26/05/2012	चंद्र	23/06/2023	मंगल	17/08/2038
	00/00/0000	सूर्य	23/07/2000	चंद्र	25/12/2012	मंगल	22/08/2024	राहु	11/07/2039
	00/00/0000	चंद्र	22/12/2001	मंगल	23/05/2013	राहु	23/08/2027	गुरु	29/04/2040
	00/00/0000	मंगल	19/12/2002	राहु	11/06/2014	गुरु	23/04/2030	शनि	10/04/2041
	25/09/1990	राहु	08/07/2005	गुरु	18/05/2015	शनि	23/06/2033	बुध	15/02/2042
राहु	10/12/1990	गुरु	14/10/2007	शनि	25/06/2016	बुध	22/04/2036	केतु	23/06/2042
गुरु	23/06/1993	शनि	23/06/2010	बुध	23/06/2017	केतु	23/06/2037	शुक्र	23/06/2043

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/06/2043		23/06/2053		22/06/2060		23/06/2078		23/06/2094	
23/06/2053		22/06/2060		23/06/2078		23/06/2094		00/00/0000	
चंद्र	22/04/2044	मंगल	19/11/2053	राहु	05/03/2063	गुरु	10/08/2080	शनि	26/06/2097
मंगल	21/11/2044	राहु	07/12/2054	गुरु	29/07/2065	शनि	21/02/2083	बुध	06/03/2100
राहु	23/05/2046	गुरु	13/11/2055	शनि	04/06/2068	बुध	29/05/2085	केतु	15/04/2101
गुरु	22/09/2047	शनि	22/12/2056	बुध	22/12/2070	केतु	05/05/2086	शुक्र	14/06/2104
शनि	23/04/2049	बुध	19/12/2057	केतु	10/01/2072	शुक्र	03/01/2089	सूर्य	27/05/2105
बुध	22/09/2050	केतु	17/05/2058	शुक्र	10/01/2075	सूर्य	22/10/2089	चंद्र	26/12/2106
केतु	23/04/2051	शुक्र	17/07/2059	सूर्य	04/12/2075	चंद्र	21/02/2091	मंगल	04/02/2108
शुक्र	22/12/2052	सूर्य	22/11/2059	चंद्र	04/06/2077	मंगल	28/01/2092	राहु	26/09/2110
सूर्य	23/06/2053	चंद्र	22/06/2060	मंगल	23/06/2078	राहु	23/06/2094		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 8 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।